भारत सरकार

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्याः1430

मंगलवार, 09 दिसंबर, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

स्वदेशी उत्पादों का जीआई-टैग समावेशन और संरक्षण

1430. थिरु दयानिधि मारनः

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या केंद्र सरकार ने कन्याकुमारी नन्नारी के लिए जीआई-टैग को शीघ्र स्वीकृति देने के लिए कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और वर्तमान स्थिति क्या है और निर्णय कब तक लिया जाएगा;

(ख) विगत दस वर्षों के दौरान तमिलनाडु के उत्पादों को जिला-वार और वर्ष-वार कितने जीआई टैग दिए गए हैं;

(ग) सरकार द्वारा तमिलनाडु के स्वदेशी उत्पादों को समर्थन, संरक्षण और बढ़ावा देने के लिए फाईलिंग, विपणन, दुरुपयोग के विरुद्ध प्रवर्तन और अंतर्राष्ट्रीय मान्यता के लिए सहायता सहित अन्य क्या उपाय किए गए हैं;

(घ) क्या राज्य से कोई आवेदन मानक प्रसंस्करण अवधि के व्यतीत होने के बाद भी लंबित है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या तमिलनाडु जैसे पारंपरिक उत्पादों की बड़ी संख्या वाले राज्यों के लिए समय पर जीआई संरक्षण सुनिश्चित करने और गैर-उत्पादकों द्वारा वाणिज्यिक दोहन को रोकने के लिए किसी समर्पित योजना या फास्ट-ट्रैक तंत्र पर विचार किया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जितिन प्रसाद)

(क): उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के अधीन भौगोलिक संकेतक रजिस्ट्री के पास उपलब्ध रिकार्ड के अनुसार, कन्याकुमारी नन्नारी को जीआई प्रदान करने के लिए तमिलनाडु मलाइवाज मक्कल संगम, कन्याकुमारी और तमिलनाडु राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद, चेन्नई द्वारा दिनांक 26 सितंबर, 2025 को आवेदन किया गया है। औपचारिक जांच की गई है और इसकी रिपोर्ट

दिनांक 06 अक्तूबर, 2025 को आवेदकों को जारी करके उनसे एक महीने के भीतर आधिकारिक अपेक्षाओं को पूरा करने को कहा गया है। भौगोलिक संकेतक रजिस्ट्री को अभी तक आवेदकों से उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदकों से उत्तर प्राप्त होने पर माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 और नियमों के अनुसार इस मामले में आगे कार्रवाई की जाएगी।

(ख): पिछले दस वर्षों के दौरान तमिलनाडु के उत्पादों को प्रदान किए गए जीआई टैग की जिलावार और वर्षवार संख्या **अनुबंध-I** में दी गई है।

(ग): माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 के प्रावधानों और इसके तहत बनाए गए नियमों द्वारा भौगोलिक संकेतकों के रूप में ऐसे मूल्यवान स्वदेशी उत्पादों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। इन मूल्यवान स्वदेशी जीआई-टैग वाले उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए की गई पहलों का विवरण **अनुबंध-II** में संलग्न है।

(घ): मानक प्रक्रिया अवधि के बाद, राज्य से कोई आवेदन लंबित नहीं है।

(ङ): जीआई पंजीकरण के आवेदनों के लिए वरीयता या त्वरित रूप से कार्यवाही करने के लिए क्षेत्रीय आधार पर या राज्य-विशिष्ट को प्राथमिकता देने की कोई स्कीम नहीं है। बड़ी संख्या में पारंपरिक उत्पादों वाले राज्यों से संबंधित आवेदनों सहित सभी आवेदनों की, माल के भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 के प्रावधानों और इसके तहत बनाए गए नियमों के अनुसार समान रूप से जांच की जाती है। आवेदकों को सांविधिक आवश्यकताओं का पालन करना आवश्यक है और संतोषजनक अनुपालन पाए जाने पर, आवेदनों पर अधिनियम के अनुसार आगे कार्यवाही की जाती है।

*****

अनुबंध-I

दिनांक 09.12.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1430 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

क्रम सं.	आवेदन सं.	नाम	दायर करने की तारीख	माल	राज्य	प्रमाण-पत्र सं.	पंजीकृत तारीख	वित्त वर्ष
1	513	तंजावुर आर्ट प्लेट (लोगो)	08.01.2015	हस्तशिल्प	तमिलनाडु	245	31.03.2016	2015-2016
2	514	स्वामीमलाई ब्रोंज आईकन्स (लोगो)	08.01.2015	हस्तशिल्प	तमिलनाडु	246	31.03.2016	2015-2016
3	515	नागरकोइल की टैंपल ज्वैलरी (लोगो)	08.01.2015	हस्तशिल्प	तमिलनाडु	247	31.03.2016	2015-2016
4	426	महाबलीपुरम की पत्थर की मूर्तिकला	31.05.2013	हस्तशिल्प	तमिलनाडु	302	15.11.2017	2017-2018
5	231	इरोड मंजल (इरोड हल्दी)	04.01.2011	कृषि	तमिलनाडु	340	06.03.2019	2018-2019
6	480	थिरुबुवनम सिल्क साड़ी	15.04.2014	हस्तशिल्प	तमिलनाडु	342	11.03.2019	2018-2019
7	616	कोडईकनाल मलाई पूंडू	01.06.2018	कृषि	तमिलनाडु	346	30.07.2019	2019-2020
8	550	पलानी पंचामृतम	15.06.2016	खाद्य सामग्री	तमिलनाडु	350	14.08.2019	2019-2020
9	400	डिंडीगल लॉक्स	29.01.2013	हस्तशिल्प	तमिलनाडु	358	30.08.2019	2019-2020
10	422	कंडांगी साड़ी	16.05.2013	हस्तशिल्प	तमिलनाडु	359	30.08.2019	2019-2020
11	403	श्रीविल्लिपुत्तूर पालकोवा	27.02.2013	खाद्य सामग्री	तमिलनाडु	360	12.09.2019	2019-2020
12	486	कोविलपट्टी कदलाई मिट्टई	03.07.2014	खाद्य सामग्री	तमिलनाडु	363	20.04.2020	2019-2020
13	423	तंजावुर नेट्टी वर्क्स	22.05.2013	हस्तशिल्प	तमिलनाडु	367	14.09.2021	2020-2021
14	429	अरुम्बवुर काष्ठ नक्काशी	05.07.2013	हस्तशिल्प	तमिलनाडु	368	14.09.2021	2020-2021
15	424	करुप्पुर कलमकारी पैंटिंग्स	28.05.2013	हस्तशिल्प	तमिलनाडु	373	14.09.2021	2021-2022
16	431	कल्लाकुरिची काष्ठ नक्काशी	05.07.2013	हस्तशिल्प	तमिलनाडु	374	14.09.2021	2021-2022
17	675	कन्याकुमारी लौंग	30.10.2019	कृषि	तमिलनाडु	406	14.09.2021	2021-

								2022
18	467	नरसिंहपेट्टई नागस्वरम	31.01.2014	हस्तशिल्प	तमिलनाडु	420	21.01.2022	2021-2022
19	720	रामनाथपुरम मुंडू मिर्च	16.11.2020	कृषि	तमिलनाडु	441	22.02.2023	2022-2023
20	788	वेल्लोर स्पाइनी बैंगन	29.10.2021	कृषि	तमिलनाडु	442	22.02.2023	2022-2023
21	428	मायलाडी पत्थर की नक्काशी	28.06.2013	हस्तशिल्प	तमिलनाडु	443	31.03.2023	2022-2023
22	488	मनप्पाराई मुरुक्कू	07.07.2014	खाद्य सामग्री	तमिलनाडु	444	31.03.2023	2022-2023
23	529	ऊटी वर्की	03.08.2015	खाद्य सामग्री	तमिलनाडु	445	31.03.2023	2022-2023
24	561	मनमदुरई पॉटरी	28.07.2016	हस्तशिल्प	तमिलनाडु	446	31.03.2023	2022-2023
25	574	थैक्कल रत्न शिल्प	31.01.2017	हस्तशिल्प	तमिलनाडु	447	31.03.2023	2022-2023
26	711	सलेम सागो (जवारिसी)	05.10.2020	खाद्य सामग्री	तमिलनाडु	461	31.03.2023	2022-2023
27	719	औथूर वेत्रिलाई	11.11.2020	कृषि	तमिलनाडु	464	31.03.2023	2022-2023
28	734	कम्बम पनीर थ्रैचाई	01.01.2021	कृषि	तमिलनाडु	468	31.03.2023	2022-2023
29	766	नेगामम सूती साड़ी	29.06.2021	हस्तशिल्प	तमिलनाडु	471	31.03.2023	2022-2023
30	789	शोलावंदन वेत्रिलाई	29.10.2021	कृषि	तमिलनाडु	473	31.03.2023	2022-2023
31	800	मार्तंडम शहद	29.11.2021	प्राकृतिक	तमिलनाडु	474	31.03.2023	2022-2023
32	698	जडेरी नामकट्टी	28.08.2020	हस्तशिल्प	तमिलनाडु	486	31.07.2023	2023-2024
33	757	कन्याकुमारी मट्टी केला	29.04.2021	कृषि	तमिलनाडु	489	31.07.2023	2023-2024
34	762	चेदीबुट्टा साड़ी	15.06.2021	हस्तशिल्प	तमिलनाडु	491	31.07.2023	2023-2024
35	691	उडनगुडी पनंगकरुपट्टी	16.06.2020	खाद्य सामग्री	तमिलनाडु	505	03.10.2023	2023-2024
36	740	मदुरै मारिकोलुन्थु (दावना)	11.02.2021	कृषि	तमिलनाडु	661	27.03.2025	2024-2025
37	754	विलाचेरी मिट्टी के खिलौने	23.04.2021	हस्तशिल्प	तमिलनाडु	662	27.03.2025	2024-2025
38	816	थोवलाई माणिका	13.01.2022	हस्तशिल्प	तमिलनाडु	688	31.03.2025	2024-

		मलाई						2025
39	817	कुंभकोणम वेत्रिलाई (कुंभकोणम पान का पत्ता)	13.01.2022	कृषि	तमिलनाडु	689	31.03.2025	2024-2025
40	836	पनरुति पलप्पाज़म (पनरुति कटहल)	18.02.2022	कृषि	तमिलनाडु	690	31.03.2025	2024-2025
41	837	पनरुती काजू	18.02.2022	कृषि	तमिलनाडु	691	31.03.2025	2024-2025
42	881	पुलियांकुडी एसिड लाइम	25.04.2022	कृषि	तमिलनाडु	692	31.03.2025	2024-2025
43	883	विरुधुनगर सांबा वथल	25.04.2022	कृषि	तमिलनाडु	693	31.03.2025	2024-2025
44	920	चेट्टिकुलम छोटा प्याज	04.07.2022	कृषि	तमिलनाडु	694	31.03.2025	2024-2025
45	1051	रामनाडु चिथिराईकर चावल	02.02.2023	कृषि	तमिलनाडु	697	31.03.2025	2024-2025

*****

अनुबंध-II

दिनांक 09.12.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1430 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

2022-23

इंडिया जीआई फेयर (26-28 अगस्त, 22):

- इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में 3 दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जीआई महोत्सव (16-21 अक्तूबर, 22):

- व्यापार सुविधा केंद्र, वाराणसी में एक साप्ताहिक कार्यक्रम आयोजित किया गया
- जीआई धारकों के लिए डीपीआईआईटी कार्मिकों के साथ मिलकर विभिन्न ज्ञान सत्र आयोजित किए गए।

विशेष जीआई पवेलियन (14-27 नवंबर, 22):

- आईटीपीओ द्वारा प्रगति मैदान में आयोजित आईआईटीएफ 2022 में विशेष जीआई पवेलियन स्थापित किया गया।

प्रचार प्रसार के लिए विडियो

- भारत के भौगोलिक संकेतकों को लोकप्रिय बनाने के लिए, हिस्ट्री टीवी के सहयोग से 18 प्रचार वीडियो तैयार किए गए। 17 विभिन्न भारतीय जीआई को कवर करते हुए
- हिस्ट्री टीवी 18 नेटवर्क के विभिन्न चैनलों, जैसे हिस्ट्री टीवी 18 - एसडी, हिस्ट्री टीवी 18 - एचडी पर वीडियो प्रसारित किए गए।

जीआई पर सोशल मीडिया अभियान:

- डीपीआईआईटी ने भारतीय जीआई के प्रचारप्रसार के लिए सोशल मीडिया अभियान चलाया।-
- जीआई उत्पादों की खरीद को बढ़ावा देने के लिए त्यौहारों के दौरान, 'गिफ्ट ए जीआई' अभियान शुरू किया गया।
- रोचक तथ्यों के माध्यम से जीआई पर जागरूकता फैलाने के लिए 'स्पॉट द जीआई' शुरू किया गया। सीपैम ने 'विंटर जीआई एक्सेसरीज' पर एक अभियान चलाया।

जीआई पवेलियन (14-18 मार्च, 23):

- डीपीआईआईटी ने प्रगति मैदान में 'आहार 2023' में 55 जीआई पंजीकृत उत्पादों के लिए 'जी आई पवेलियन' स्थापित किया।
- 'अतुल्य भारत के अमूल्य खजाने' थीम पर आयोजित 37वें अंतर्राष्ट्रीय खाद्य और आतिथ्य मेले में महिला उद्यमियों/कारीगरों की भागीदारी देखी गई।

2023-24

राज्य और संघ राज्य क्षेत्रों के साथ जुड़ावः

- राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासन द्वारा वर्तमान में उपभोक्ताओं और उत्पादकों दोनों के बीच जीआई के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। संबंधित जीआई उत्पादकों का क्षमता निर्माण किया जा रहा है और हैंड होल्डिंग सहायता की जा रही है तथा जीआईएस की बिक्री और विपणन को सुविधाजनक बनाया जा रहा है।

ईपीसीएच जीआई फेयर इंडिया (20-24 जुलाई, 23):
इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में जीआई फेयर इंडिया 2023 का दूसरा संस्करण।

रेडियो मिर्ची (17-31 अगस्त, 23):
रेडियो मिर्ची ब्रिवरी द्वारा 15 दिनों के लिए जीआई उत्पादों का प्रचार किया गया।

उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी (21-25 सितंबर, 23):
इंडियन एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी।

श्रीनगर में जीआई महोत्सव (2-8 अक्तूबर, 23)
जीआई को बढ़ावा देने की पहल के भाग के रूप में श्रीनगर में एक सप्ताह का जीआई महोत्सव।

जीआई स्टार्टअप चैलेंज (29 दिसंबर, 23 - 20 फरवरी, 24):
डीपीआईआईटी ने स्टार्टअप इंडिया के सहयोग से जीआई ईकोसिस्टम में मौजूद चुनौतियों के लिए स्टार्ट-अप के माध्यम से अभिनव समाधानों की पहचान करने के उद्देश्य से स्टार्टअप इंडिया पोर्टल पर जीआई स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज आयोजित किया।

इंडिया टुडे द्वारा जीआई का प्रचार:
इंडिया टुडे ने जीआई को बढ़ावा देने के लिए तीन चरणों में जीआई से संबंधित लेख प्रकाशित किए ।

नेशनल ज्योग्राफिक द्वारा जीआई का प्रचारः
डीपीआईआईटी ने नेशनल ज्योग्राफिक चैनल के सहयोग से जीआईआधारित वीडियो लॉन्च-किए, जिनमें भारत और सार्क बाजारों में जीआई टैग किए गए उत्पादों पर 5 वृतचित्र फिल्मों (8-10 मिनट(का निर्माण, प्रसारण, मार्केटिंग और लाइसेंसिंग शामिल है।

कोलकाता में 5 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय हैकेथॉन (8-12 मार्च, 24):
पश्चिम बंगाल राष्ट्रीय न्यायिक विज्ञान विश्वविद्यालय ने भौगोलिक संकेतक (डब्ल्यूबी एनयूजेएस) और संबंधित पारंपरिक ज्ञान सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों पर हैकेथॉन संबंधीअंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

2024-25

जीआई केटेलिस्ट) 12 जुलाई 2024):
'जीआई केटेलिस्ट': अंतर्दृष्टि से प्रभाव तक सम्मेलन' 12 जुलाई 2024 को यशोभूमि में आयोजित किया गया। विभिन्न मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम, हमारी समृद्ध संस्कृति और विरासत को बढ़ावा देते हुए, समन्वय और सहयोग के माध्यम से भारत के जीआई ईकोसिस्टम को बढ़ाने पर केंद्रित है।

इंडियन एयरलाइंस में जीआई का प्रचारप्रसार- (मार्चजुलाई-, 24)
देश के विभिन्न हिस्सों के जीआई उत्पादों के विषय में कुल लेख 12, विस्तारा, एयर इंडिया, स्पाइसजेट और इंडिगो जैसी प्रमुख एयरलाइनों की इनफ्लाइट पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए प्रति) ।(लेख 3 एयरलाइन

आउटलुक पत्रिका द्वारा जीआई:थीम वाले विवाह वीडियो-
आउटलुक ग्रुप के सहयोग से जीआई उत्पादों का प्रचार-प्रसार "वेड्स इन इंडिया "अभियान की अवधारणा के माध्यम से भारत के भौगोलिक संकेतकों) जीआई (पर वृतचित्रों को प्रदर्शित करने के लिए विविध प्लेटफार्मों का लाभ उठाया गया।

बर्मिंघम में ऑटम फेयर इंटरनेशनल (1-4 सितंबर, 24):

डीपीआईआईटी के अनुमोदन और वित्तीय सहायता से ईपीसीएच ने बर्मिंघम, युनाइटेड किंगडम में ऑटम फेयर इंटरनेशनल 2024 में जीआई उत्पादकों की भागीदारी और लाइव प्रदर्शन के साथ भारतीय जीआई मंडप का आयोजन किया।

बाजार बर्लिन 2024 (6-10 नवंबर, 24):

जर्मनी के बर्लिन फेयरग्राउंड) एक्सपो सेंटर सिटी (में बाजार बर्लिन 2024 में डीपीआईआईटी ने इन्वेस्ट इंडिया के सहयोग से भारत के जीआई उत्पादों के लिए कार्यक्रम आयोजित किया।

नेशनल ज्योग्राफिक द्वारा जीआई का प्रचार सीजन)2):

भारत में 'जीआई टैग' के सीजन-1 के सफल प्रसारण के बाद, सीजन-2 के माध्यम से जीआई का प्रचार। शेखर कपूर की आवाज में, जीआई उत्पाद की दुकान के मालिक की सफलता की कहानी पर केंद्रित 60 मिनट की फिल्म का प्रसारण।

नेशनल ज्योग्राफिक चैनल इंडिया और सार्क देशों में अंग्रेजी (एसडी और एचडी), हिंदी, तमिल, तेलुगु, बांग्ला और कन्नड़ भाषाओं में प्रसारण।

इसके अतिरिक्त, यूट्यूब पर।

मास्टरशेफ इंडिया के संपूर्ण सीजन 9 के माध्यम से प्रचार:प्रसार-

भौगोलिक संकेतकों) जीआई(को बढ़ावा देने के लिए डीपीआईआईटी ने सोनी लिव पर मास्टरशेफ इंडिया सीज़न 9 के साथ साझेदारी की है। इस सहयोग के माध्यम से, डीपीआईआईटी का उद्देश्य इस शो की व्यापक पहुंच और लोकप्रियता का लाभ उठाते हुए, कार्यक्रम की कहानी में जीआई-टैग वाले उत्पादों को शामिल करके भारत की समृद्ध पाकशास्त्रीय विरासत को प्रदर्शित करना है।

दिल्ली मेट्रो में जीआई प्रचार संबंधी कार्यकलाप:

दिल्ली मेट्रो के डिब्बों के अंदर डिस्प्ले बोर्ड के माध्यम से जीआई प्रचार के कार्यकलाप आयोजित करना।

हवाई अड्डों पर जीआई प्रचार कार्यकलाप:

श्रीनगर, उदयपुर, वाराणसी, दिल्ली और मुंबई हवाई अड्डों पर डिजिटल स्क्रीन, डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड, होर्डिंग आदि के माध्यम से जीआई प्रचार कार्यकलाप करना।

भारत मंडपम, दिल्ली में जीआई समागम:

भौगोलिक संकेतकों के महत्व और इसकी अपार विकास संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए, डीपीआईआईटी ने दिनांक 22.01.2025 को" जीआई समागम "का आयोजन किया। इस आयोजन ने भारत में जीआई ईकोसिस्टम के प्रमुख हितधारकों, मंत्रालयों/विभागों, केंद्र और राज्य सरकारों के उपयोगकर्ता विभागों, नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं, कारीगरों, उत्पादकों आदि को विचारों के आदान-प्रदान और इस क्षेत्र के भावी विकास पर विचार-विमर्श हेतु एक मंच पर एकजुट किया।

*****